आदेश निरस्त ▶ डीएम का प्रभार संभालते ही अनीता सोरते ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश किया निरस्त, 2021-22 ऑडिट को लेकर गहराया संशय

नागरिक आपूर्ति निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल

अनूपपुर, नवभारत। जिले में नागरिक आपूर्ति निगम की कार्यप्रणाली पर बुधवार को एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा 2 दिसम्बर को मप्र स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन लिमिटेड अनूपपुर के प्रबंधन का अतिरिक्त प्रभार जिला आपूर्ति अधिकारी अनीता सोरते को सौंपे जाने के मात्र 24 घंटे बाद ही उन्होंने निगम का एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश निरस्त कर दिया।

नवीन आदेश 3 दिसम्बर को जारी किया गया, जिसमें 12 नवम्बर को जारी उस पूर्व आदेश को रद्द कर दिया गया है, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 के ऑडिट समापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी। पुराने आदेश में कार्य दायित्व जिलास्तरीय स्टाफ को सौंपे गए थे, जबकि वर्तमान आदेश में इन्हें बदलते हुए पूरा दायित्व

कोतमा कार्यालय को स्थानांतरित कर दिया गया है।

पूर्व आदेश को निरस्त करने का कारण स्पष्ट नहीं

सूत्र बताते हैं कि यह निर्णय अचानक और बिना किसी स्पष्ट कारण के लिए लिया गया, जिसके कारण कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई अधिकारी इसे तुगलकी कदम बताकर आलोचना कर रहे हैं, क्योंकि यह निर्णय उस समय लिया गया जब ऑडिट प्रक्रिया वर्षों से लंबित होकर अंतिम चरण में पहुंचने वाली थी।

ऑडिट प्रक्रिया बाधित होने का आरोप

12 नवम्बर को तत्कालीन प्रबंधक संतोष कचराम द्वारा जारी आदेश के अनुसार कनिष्ठ सहायक अच्छेलाल रैदास को जिला कार्यालय में संलग्न कर ऑडिट की जिम्मेदारी दी गई थी, सहायक विजय सिंह को प्रदाय केंद्र कोतमा का प्रभार सौंपा गया था। इस आदेश को निरस्त करने से अब ऑडिट प्रक्रिया अनिश्चितकाल के लिए ठहरती दिखाई दे रही है।

▶ निगम में चर्चाओं का दौर तेज

कर्मचारी और विभागीय सूत्रों का कहना है कि इस निर्णय से यह संकेत मिल रहा है कि नया प्रभार संभालने के बाद डीएसओ अनीता सोरते किस प्रकार की प्रशासनिक नीति अपनाएंगी, इसको लेकर निगम में आशंका और चर्चा का माहौल है। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी सरकारी संस्था में ऑडिट न केवल वित्तीय अनुशासन का साधन है, बल्कि पारदर्शिता और उत्तरदायित्व का आधार भी है। ऐसे में ऑडिट रोकना या दिशा बदलना भविष्य में अनियमितताओं के जोखिम को बढ़ा सकता है।

अब निगाहें अगले आदेश पर

निगम और विभाग दोनों की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या ऑडिट प्रक्रिया के लिए नया आदेश जारी होगा? या निर्णय स्थगन की दिशा में आगे बढ़ेगा? यदि ऐसा होता है तो पिछले वर्षों की वित्तीय समीक्षा और जवाबदेही अधर में अटकना तय माना जा रहा है।

प्लेटफार्म में फेंका जा रहा नालियों का मलबा

गंदगी और बदबू से यात्री हो रहे परेशान

कोतमा नवभारत 5 दिसंबर। रेलवे स्टेशन में सफाई ठेकेदार के द्वारा नालियों से निकले मलबा को दोनों छोर पर प्लेटफार्म में ही फेंका जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

कुछ समय पूर्व समाचार पत्र के माध्यम से स्टेशन मास्टर एवं डीआरएम बिलासपुर को इस बात का संज्ञान कराया गया था, लेकिन स्टेशन प्रबंधक द्वारा सफाई ठेकेदार का पक्ष लेते हुए कहा गया कि उस मलबे को बाद में ट्रैक्टर के माध्यम से बाहर निकलवाया जाएगा, लेकिन कई हफ्ते बीतने के बाद भी मलबा वहीं फेंका जा रहा है। यात्री जहां से ट्रेन में चढ़ते और उतरते हैं वहीं पर मलबा का फेंका जाना कहा तक उचित है। इस संबंध में समय समय पर कामर्शियल इंस्पेक्टर को भी अवगत कराया गया है। प्रतिवर्ष सफाई ठेकेदार बदलते है, लेकिन अव्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं।

पशुओं की गंदगी से यात्री परेशान

कोतमा रेलवे स्टेशन की टिकट खिड़की के पास अक्सर पशुओं के बैठे रहते है, जिससे यहां गंदगी हो गई है। इस गंदगी से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, लेकिन प्रबंधक को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कोतमा रेलवे प्लेटफॉर्म नंबर 1 के दोनों छोर पर नाली के मलबे को फेंका जा रहा है।

गंदगी में ही आमजन करते हैं पेशाब

जिस तरह से रेलवे स्टेशन की नालियों की गंदगी को साफ कर उस मलबे को प्लेटफॉर्म मे ही फेंका जा रहा है, जिससे यात्रियों को भी प्लेटफॉर्म परिसर में ही गंदगी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यात्री प्लेटफॉर्म में गंदगी देख वहीं पेशाब करने लगते हैं, जिससे पूरे प्लेटफॉर्म में बदबू और गंदगी का आलम है।

▶ इनका कहना है

सफाई ठेकेदार नाली के मलबे को अभी प्लेटफॉर्म में ही फेंक रहा है। कुछ समय के पश्चात ट्रैक्टर से उठाकर कहीं दूर फिंकवाया जाएगा।

पीएन रजक
स्टेशन प्रबंधक

वार्ड क्रमांक 1 में गंदगी व कचरे का अंबार

सड़ांध और मच्छरों के प्रकोप से बीमारी फैलने का अंदेशा, रहवासी परेशान

अनूपपुर,नवभारत 5 दिसंबर। वार्ड क्रमांक 1 के रहवासियों को इन दिनों सफाई नहीं होने के कारण नारकीय स्थिति में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। माध्यमिक विद्यालय सामतपुर के ठीक बगल में फैली गंदगी और कचरे के अंबार ने पूरे क्षेत्र का वातावरण दुर्गंधमय कर दिया है। सड़ांध और मच्छरों के प्रकोप से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग लगातार बीमारियों के खतरे से घिरे हुए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद नगरपालिका अनूपपुर के कर्मचारी, अधिकारी और परिषद

पूरी तरह संवेदनहीन बने हुए हैं। सफाई कर्मियों की अनियमितता और कचरा न उठाए जाने से स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है। विद्यालय प्रबंधन ने भी चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि गंदगी के कारण विद्यार्थियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और विद्यालय परिसर के आसपास छात्रों का आना-जाना भी मुश्किल हो गया है।

नागरिकों को दी आंदोलन की चेतावनी

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह वही वार्ड है जहां से वर्तमान नगरपालिका अध्यक्ष अंजुलिका सिंह निर्वाचित हुई हैं। इसके बावजूद क्षेत्र की यह ज्वलंत समस्या अब तक अनसुनी बनी हुई है, जिससे रहवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

पंचायत उप निर्वाचन 2025 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम घोषित

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। निर्धारित समय-सारणी के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया 8 दिसंबर से प्रारंभ होगी। निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित की गई है, जबकि नामपत्रों की जांच 16 दिसंबर को की जाएगी। अभ्यर्थी अपनी उम्मीदवारी 18 दिसंबर तक वापस ले सकेंगे और इसी दिन चुनाव प्रतीकों का आवंटन भी किया जाएगा। यदि आवश्यक हुआ तो मतदान 29 दिसंबर को सुबह 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

मोक्ष के लिए दिगंबर जैन साधुओं की कठिन साधना

▶ उनकी जीवनशैली आम इंसान के लिए होती हैं चुनौतीपूर्ण

कोतमा नवभारत 5 दिसंबर। आचार्य डॉ. आशीष जैन आचार्य से दिगंबर साधुओं की कठिन तपस्या के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने बताया की दिगंबर जैन साधुओं का जीवन कठिन साधना, त्याग और तपस्या का एक अद्वितीय उदाहरण है, जो आत्म-शुद्धि और मोक्ष की ओर अग्रसर होने के लिए अपनाया जाता है। उनकी चर्या (जीवनशैली) आम इंसान के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण होती है। दिगंबर मुनि वस्त्रों सहित सभी प्रकार के परिग्रहों का पूर्ण त्याग करते हैं। वे

केवल पिच्छि, कमण्डल और शास्त्र ही रखते हैं। वगैर वस्त्र के रहना इसी अपरिग्रह महाव्रत का पालन है, जिसका अर्थ है निष्परिग्रह और निर्भिक होना।

आहार की कठिन चर्या

वे दिन में केवल एक बार और वह भी खड़े होकर शुद्ध जल और भोजन ग्रहण करते हैं। उन्हें आहार दान करने वाले श्रावक के घर की विधि मिलने पर ही भोजन मिलता है। आहार के बाद वे दिन भर अन्न का एक दाना या जल ग्रहण नहीं करते। वे वर्षों तक उपवास भी करते हैं, जो एक दिन से लेकर कई महीनों तक हो सकता है।

▶ पद विहार

वे किसी भी प्रकार के वाहन का उपयोग नहीं करते और लंबी यात्राएँ भी पैदल ही करते हैं। वे अपने सिर, दाढ़ी और मूंछ के बालों को किसी नाई या औजार की मदद से नहीं कटवाते, बल्कि दो, तीन या चार माह के अंतराल पर हाथों से खींचकर निकालते हैं। यह कठिन तपस्या का एक हिस्सा है, जिसे केशलोंच कहा जाता है।

ब्रह्मचर्य और संयम

वे जीवन भर अखंड ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं और स्त्रियों से दूर रहते हैं, उन्हें माता, बहन या बेटी की दृष्टि से देखते हैं। वे सर्दी, गर्मी या बरसात जैसे किसी भी मौसम में ओढ़ने-बिछाने के लिए वस्त्रों या गद्दे-तकिये का उपयोग नहीं करते और मौसम की कठिनाइयों को सहन करते हैं। वे अहिंसा, सत्य, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे पांच महाव्रतों का दृढ़ता से पालन करते हैं।

एक नजर में

शिविर में 20 यूनिट रक्त का संग्रह

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। जिला चिकित्सालय एवं एचडीएफसी बैंक अनूपपुर के संयुक्त तत्वाधान में संकल्प पैरामेडिकल कॉलेज परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 20 यूनिट रक्त का सफलतापूर्वक संग्रह किया गया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्तदान एक श्रेष्ठ कार्य है और इसे महादान की संज्ञा दी जाती है। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। शिविर को सफल बनाने में जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी एमडी पैथोलॉजी डॉ. नीलेश द्विवेदी, नर्सिंग ऑफिसर प्रियंका नागपुरे, पिंकी चौधरी, लैब टेक्नीशियन भाईलाल पटेल, रामलाल राठौर सहित स्टाफ का सहयोग रहा।

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पर छात्रों ने लगाया अभद्रता का आरोप

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। जिले के पुष्पराजगढ़ स्थित शासकीय महाविद्यालय में प्रभारी प्राचार्य पर छात्रों ने अभद्र व्यवहार और धमकाने का आरोप लगाया है। इसी मामले को लेकर छात्रों ने शुक्रवार को राजेंद्रग्राम थाना प्रभारी पीसी कोल को शिकायत पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। छात्रों ने बताया कि हाल ही में आयोजित परीक्षा में उन्हें शून्य अंक दिए गए थे, जिसके विरोध में छात्रों ने 4 दिसंबर को प्रभारी प्राचार्य बी.डी. शर्मा को ज्ञापन सौंपा था। छात्रों का आरोप है कि ज्ञापन देने के दौरान प्रभारी प्राचार्य ने अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए उन्हें डराया और धमकाया। छात्रों ने यहां तक आरोप लगाया कि प्राचार्य ने उन्हें पकड़कर मारने का भी प्रयास किया। प्राचार्य के व्यवहार से नाराज छात्रों ने मामले की शिकायत पुलिस को करते हुए उचित कार्रवाई की मांग की है।

रिमेडियल क्लास लगाकर परीक्षा परिणाम सुधारें

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक परीक्षा परिणामों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विद्यालयों में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वार्षिक परीक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए गणित, अंग्रेजी एवं विज्ञान विषयों पर विशेष रूप से फोकस करने की आवश्यकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में नियमित रूप से रिमेडियल क्लास संचालित की जाएं तथा सभी विद्यालयों के लिए रिमेडियल कक्षाओं का समान टाइम-टेबल जारी किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि रिमेडियल कक्षाओं की प्रगति और प्रभावशीलता की नियमित मॉनिटरिंग जिला एवं ब्लॉक स्तर से की जाएगी।

सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही : सिंह

▶ हायर सेकेंडरी स्कूल जमुना कालरी में साईकिल वितरित की गई

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। नगर पालिका परिषद पसान क्षेत्र के अंतर्गत संचालित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जमुना कालरी में 5 दिसंबर को साईकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका परिषद पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह उपस्थित रहे। उनके साथ विधायक प्रतिनिधि उदय प्रताप सिंह, जनपद उपाध्यक्ष तेजभान सिंह, जिला

मीडिया प्रभारी राजेश सिंह, मंडल महामंत्री धीरेंद्र सिंह मिंटू, वार्ड पार्षद विकास जायसवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कुल 21 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरित की गई।

प्राचार्य ने की सड़क निर्माण की मांग

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अवध राज सिंह सोलंकी ने विद्यालय की आवश्यकताओं और समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्य मार्ग से विद्यालय तक सीसी सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, मैदान समतलीकरण और साफ-सफाई जैसी सुविधाओं के सुधार की मांग रखी। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विद्यालय की समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जाएगा। उन्होंने विद्यालय में संचालित डिजिटल क्लास का अवलोकन कर इसकी प्रशंसा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हों

▶ कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में संचालित शासन की कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जनपद पंचायत एवं उपयंत्री प्रगतिरत कार्यों की सतत मॉनिटरिंग एवं निरीक्षण सुनिश्चित करें, ताकि कार्य निश्चित समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण हो सकें। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि जिले में स्वीकृत सभी निर्माणाधीन कार्यों को समय पर एवं पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाए। एक बगिया मां के नाम अभियान की समीक्षा की बैठक में एक बगिया मां के नाम अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अवगत कराया कि अभियान के अंतर्गत जिले में 403 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिनमें से 234 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य जल्द ही पूरे किए जाएंगे। कलेक्टर ने लंबित कार्यों में तेजी लाने और शत-प्रतिशत फेंसिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सेक्टरवार बैठकें आयोजित करने के निर्देश

कलेक्टर ने मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूर्णता के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के 25 सेक्टरों का निरीक्षण शेड्यूल तय कर कैलेंडर जारी करने तथा बुधवार एवं शुक्रवार को सेक्टरवार बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल गंगा संवर्धन अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, पोषण शक्ति अभियान, आजीविका मिशन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की गई।

चिल्लर की किल्लत, 5 व 10 के सिक्के गायब

बाजार में लेन-देन ठप, दुकानदारों व ग्राहकों को हो रही परेशानी

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। शहर में इन दिनों चिल्लर की भारी कमी देखने को मिल रही है। विशेषकर 5 और 10 के सिक्के बाजार से लगभग गायब हो गए हैं। इस कारण रोजमर्रा के लेनदेन में दुकानदारों और ग्राहकों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि यदि कोई ग्राहक 10 की बिस्किट या अन्य छोटा सामान खरीदने के लिए 100 या 200 का नोट देता है, तो दुकानदार उसे खुल्ले न होने की वजह से सामान देने में असमर्थ हो

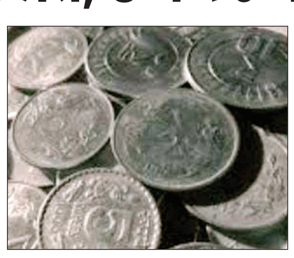

जाते हैं। कई दुकानदारों का कहना है कि इस कारण आए दिन ग्राहकों से बहस जैसी स्थितियां बन जाती हैं। जब इस समस्या पर दुकानदारों से बात की गई तो उनका कहना था कि बैंक से भी सिक्के उपलब्ध नहीं हो रहे हैं। दुकानदारों ने बताया कि जब भी बैंक में चिल्लर लेने जाते हैं तो बैंक कर्मी साफ तौर पर कह देते हैं कि चिल्लर उपलब्ध नहीं है।

छोटे लेन-देन संभव नहीं हो पा रहे

दुकानदारों ने कहा कि वे दिनभर दुकानदारी कर जो भी राशि प्राप्त होती है, उसे अगले दिन बैंक में जमा कर देते हैं, लेकिन यदि बैंक ही सिक्कों की सप्लाई बंद कर दे तो उनकी दुकानदारी प्रभावित होती है और छोटे लेनदेन संभव नहीं हो पाते। इस समस्या से परेशान स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिकों ने बैंकों व प्रशासन से मांग की है कि चिल्लर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि दैनिक लेनदेन सामान्य रूप से हो सके और दुकानदारों व ग्राहकों को राहत मिल सके।

मंडल रेल प्रबंधक ने किया निरीक्षण

जबलपुर, नवभारत। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा द्वारा जबलपुर मंडल के अंतर्गत बीना मालखेड़ी, खुरई, सागर, दमोह तथा कटनी मुडवारा स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री तलरेजा ने स्टेशनों पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, संरक्षा, सुरक्षा प्रबंध, स्वच्छता व्यवस्था, लोडिंग एवं अनलोडिंग क्षमता सहित विभिन्न परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने माल संचालन एवं साइडिंगों की कार्यप्रणाली, संरचनात्मक व्यवस्थाओं, क्षमता बढ़ाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मांग ▶ थर्मल पावर परियोजना को लेकर प्रभावित किसानों ने जारी किया बयान, कहा- किसान हित में होनी चाहिए परियोजना

भूमि अधिग्रहण और सीमांकन की पूरी प्रक्रिया हों पारदर्शी

अनूपपुर, नवभारत 5 दिसंबर। रक्सा-कोलमी गांव में प्रस्तावित थर्मल पावर परियोजना को लेकर प्रभावित किसानों की ओर से एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया गया है। किसानों ने स्पष्ट कहा है कि कंपनी द्वारा भूमि अधिग्रहण और सीमांकन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, तकनीकी मानकों पर आधारित और पूरी तरह सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप हों।

किसान प्रतिनिधि चक्रधर मिश्रा एवं ग्रामीणों ने बताया कि परियोजना न केवल क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देगी बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार लाएगी।

तकनीकी प्रक्रिया से गलती संभव नहीं

किसानों ने बताया कि किसी भी भूमि को चिह्नित करने से पहले कंपनी द्वारा कई चरणों वाला वैज्ञानिक सर्वे किया जाता है, जिसमें खतौनी-नक्शा मिलान, जीपीएस एवं जीआईएस लोकेशन सत्यापन, टोटल स्टेशन सर्वे, राजस्व अभिलेखों से अंतिम मिलान शामिल हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह तकनीकी प्रक्रिया किसी भी प्रकार की गलती या विवाद की गुंजाइश नहीं छोड़ती।

कुछ किसानों की भूमि पर हैं सीमांकन विवाद

किसान प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि कंपनी केवल उन्हीं भूखंडों पर कार्य कर रही है जिनके जीपीएस कॉरडिनेटस और टीएस सर्वे डेटा पूरी तरह मेल खाते हैं। जिन किसानों की भूमि पर सीमांकन विवाद या नामांतरण की प्रक्रिया लंबित है, वहां फेंसिंग या अन्य गतिविधियां नहीं की गईं। किसानों ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र में औद्योगिक विकास में बढ़ोतरी, युवाओं को रोजगार, सड़क एवं पेयजल सुविधा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार जैसी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सीएसआर के तहत ग्रामीणों को सुरक्षा जूते वितरित

न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं टोरेंट पावर द्वारा सीएसआर गतिविधि के तहत रक्सा-कोलमी क्षेत्र के ग्रामीणों और प्रभावित किसानों को सुरक्षा जूते वितरित किए गए। कार्यक्रम में वाइस प्रेसिडेंट सुधाकर पाण्डेय, महाप्रबंधक सुशील कांत मिश्रा और सीएसआर हेड ओमप्रकाश नैनीवाल उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल को सराहते हुए कहा कि सीएसआर के कार्य जमीन पर दिख रहे हैं।